Total Pages : 7 Roll No. .....

CAFN-02

आयुर्वेद का आहारीय चिकित्सा पद्धति में योगदान

Certificate in Ayurvedic Food and Nutrition (CAFN-16/17)

Examination, 2019 (June)

Time : 3 Hours] **Max. Marks : 40**

नोट : यह प्रश्नपत्र चालीस (40) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों क, ख तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए साढ़े नौ (9½) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×9½=19)

1. धमनि शरीर की व्याख्या करते हुए शिरा, धमनि तथा स्त्रोतस में अन्तर बताएं।

2. विटामीन को परिभाषित करते हुए निम्न विटामिनों के कार्यो तथा कमी से होने वाली हानियों का वर्णन करें।

(क) विटामीन A

(ख) विटामीन B

(ग) विटामीन E

(घ) विटामीन K.

3. शरीर के अंगों को बताते हुए निम्नलिखित के प्रकारों का वर्णन करें :

(क) पंचमहाभूत।

(ख) कला।

(ग) आश्य।

(घ) प्राणायतन।

(ङ) अस्थि।

(च) संधियाँ।

(छ) सिरायें।

4. पाचन सम्बन्धी रोगों से आप क्या समझते हैं? वर्णन करें।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए चार (04) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×4=16)

1. Hepatitis का वर्णन करें।

2. इन्ट्राविनस फिडिंग एवं ट्यूब फिडिंग से आप क्या समझते हैं?

3. ग्रहणी एवं अग्नि का सम्बन्ध बताते हुए अग्नि के भेदों का वर्णन करें।

4. आयुर्वेद एवं आधुनिक मतानुसार संधि के प्रकारों का वर्णन करें।

5. रक्त स्रोवरोधी विटामिन के कार्य, कमी एवं दैनिक आवश्यकता का वर्णन करें।

6. अतिसार से पीड़ित रोगी के लिए आहार तालिका बनाऐं।

7. वृक्क को समझाते हुए उसके कार्यों का वर्णन करें।

8. अल्सरेटिव कोलाइटिस को समझाइए तथा उसके लक्षणों की देने योग्य एवं वर्जित भोज्य पदार्थों का वर्णन करें।

खण्ड-ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) तथ्यनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आधा (½) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। (10×½=05)

1. जो अग्नि बिना विधि खाए भोजन को कभी सीर्घ एवं कभी बहुत देर से पचाती है। उसे कहते हैं :

   (अ) मंदाग्नी।

   (ब) तीक्ष्णाग्नि।

   (स) समाग्नि।

   (द) विषभाग्नि।

2. जत्रु के ऊपर कितने मर्म पाए जाते हैं?

(अ) 14

(ब) 11

(स) 9

(द) 37.

3. पंचमहाभूत है

(अ) आकाश, वायु, जल, अग्नि, पृथ्वी।

(ब) शब्द, स्पर्श, रूप, रस, गंध।

(स) स्त्रोत, त्वचा, नेत्र, जीभ, नाशा।

(द) उपरोक्त में कोई नहीं।

4. स्नेह में घुलने वाली विटामिन है

(अ) A, D, K, E

(ब) B Complex, C

(स) (अ) और (ब) दोनों।

(द) उपरोक्त में से कोई नहीं।

5. जल में घुलनशील विटामिन है

(अ) विटामिन C.

(ब) विटामिन A.

(स) (अ) और (ब) दोनों।

(द) उपरोक्त में कोई नहीं।

सत्य/असत्य छांटें :

6. रक्त, नाभी, हृदय, गुदा आदि शरीर के मात्रज भाव हैं।

7. आशय को धातु भी कहते हैं।

8. अस्थियों के 7 प्रकार हैं।

9. Heart का Base ऊपर होता है।

10. विटामिन C की कमी से रतौंधी रोग होता है।